

सामुदायिक विकास की ओर बढ़ते कदम

स्वच्छता व सुरक्षा लोगों की प्राकृतिक जरूरत होने के साथ-साथ नागरिकों का बुनियादी हक भी हैं। प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों को सार्वजनिक सुविधायें उपलब्ध कराएं।

2004 से जागोरी, मदनपुर खादर (पुनर्वास कॉलोनी) के निवासियों की रोजमर्रा की ज़िन्दगी को मानव अधिकारों व नागरिक अधिकारों के व्यापक दायरे में देख रही हैं। मदनपुर खादर की महिलाएं इस दिशा में साज़ी अगुवाई कर रही हैं। समुदाय में सबसे ज्यादा समय महिलाएं और बच्चे गुजारते हैं। महिलाओं में बढ़ते स्त्री रोग व संक्रमित बीमारियों की बढ़ती संख्या बुनियादी सुविधाओं की कमी पर ध्यान आकर्षित करती है। स्वास्थ्य और स्वच्छता की सही व्यवस्था न होना नागरिकों के बुनियादी अधिकारों का हनन है।

सफाई से जुड़ी कुछ गम्भीर समस्याएं

सुविधाओं का न होना – सामुदायिक शौचालय की बात करें तो

खादर में कुल 20 शौचालयों में से एक भी शौचालय इस्तेमाल करने लायक नहीं हैं। किसी की सीटें धंसी है तो किसी के दरवाजे टूटे हैं। पानी व सफाई न होने के कारण कीड़े-मकौड़े व मच्छर इतने ज्यादा कि बीमारियों को खुली दावत।



सुबह 10.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक और रात 11.00 बजे से सुबह 5.00 बजे तक ताला लगा हुआ होता है। अगर इस बीच शौचालय में जाने की जरूरत हुई तो इंसान क्या करे?

गली और सड़क का सही न होना व बारिश में और बुरा हाल हो जाना, सीवर लाईन का न होना जिसके कारण खुली नालियों पर शौच करने की मजबूरी। कूड़ा उठाने का सही इंतजाम न होना – नागरिक अधिकारों के हनन का जीता जागता सुबूत हैं।

हिंसा का माहौल

एक व्यक्ति के कम से कम महिनें में 60 रु यानी पूरे परिवार (लगभग 6 सदस्य) के 360 रु प्रति महीना लगता है। बेरोजगारी व कमजोर आर्थिक स्थिति महिलाओं को खुले में शौच करने पर मजबूर करती है जिसके कारण उन्हें हिंसा का शिकार होना पड़ता है। शौचालयों के आसपास लोंगो का जमघट लगा रहना, दीवारें छोटी होने के कारण लड़के ताक-झांक करते हैं जिससे महिला व लड़कियों के लिए असुरक्षा का माहौल बना रहता है।

दूस आठ तक के बच्चों को शौचालय में घुसने नहीं दिया जाता और भगा दिया जाता है। इन हालात में बच्चें (बाबतौर में लड़कियाँ) कहाँ जा सकती हैं ?

सामुदायिक अंगुवाई

नागरिकों के लिए स्वच्छता से जुड़ी सुरक्षा को सुनिश्चित करने में प्रशासन की अहम् भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के संदर्भ में बात करने के लिए नागरिक हक समिति व जागोरी एक जन सुनवाई का आयोजन कर रही हैं इसमें :

- दिल्ली नगर निगम व पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ इलाके के विधायक व सामाजिक कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया है ताकि इन स्थितिओं की ओर उनका ध्यान दिलाया जा सके।
- खादरवासी अपनी बात अधिकारियों के सामने रख पायें और समाधान के बारे में खास रणनीति बना सकें।

आईए – इस जन सुनवाई में भाग लीजिए

दिनांक 20 जून 2008
समय: 6.00 बजे से 8.00 बजे तक
स्थान: डी ब्लॉक, तिकोना पार्क, शनि बाजार के पास
जे.जे.कालोनी, मदनपुर खादर

यह है हम सबका नारा
जन सुविधा पर हक हो हमारा

